ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक - 3 मई -I, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

प्यार बांटने से मिलती है शांति व खुशी

नई दिल्ली -लोधी रोड। ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. पुष्पा, एस.के. रूंगटा, ब्र.कु. गिरिजा, ब्र.कु.पीयूष तथा अन्य दीप प्रज्जवलित करते हुए।

दिल्ली - लोधी रोड । मन को शांत रखने के लिए छोटी-छोटी बातों पर ध्यान रखने की आवश्यकता है। जब बात मन के अनुसार नहीं होती तब मन अशांत हो जाता है। जब हम दूसरों से प्यार से बात करते हैं, तब हमें खुशी होती है। हमारे अन्दर जब खुशी के विचार होते हैं तभी हम सभी से प्यार से बात कर सकते हैं।

उक्त विचार ब्र.कु.शिवानी ने त्यागराज स्टेडियम में 'शांति पूर्ण मन-आनन्दमय जीवन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होने कहा कि परिस्थिति कैसी भी हो, उस समय यदि हम श्रेष्ठ विचार उत्पन्न करें तो हम खुश रह सकेंगे। सबेरे-सबेरे उठकर आधा घंटे स्वयं को शक्तिशाली संकल्प दें। हमें हर हालत में पॉजिटिव ही सोचना है। हमें कभी भी नकारात्मक उर्जा स्वीकार नहीं करनी है। स्वयं पर बहुत अटेंशन रखना हैं। मन की स्थिति का नियंत्रण अपने हाथ में रखना है। हमें देवता बनना है लेवता नहीं। कोई क्रोध भी करे तो भी मुझे प्यार ही क्रियेट करना है। हमें बड़ी से बड़ी परिस्थिति में भी शांत रहना है। हमें बातों को पकड़कर नही बैठना है, बातों को पकड़ने से हमारा मन अशांत हो जाता है। हमें कभी भी दूसरों को परिवर्तन करने की कोशिश नहीं करनी है। बल्कि स्वयं को ही चेन्ज करना है। खुद चेंज होंगे तभी सामने वाला भी चेंज होगा। अंत में ब्र.कु. शिवानी ने श्रोताओं से अगले चौबीस घंटे तक शांत और खुश रहने का संकल्प भी कराया।

ब्र.कु.पुष्पा ने कहा कि जब हम अपने आत्मिक स्वरूप को भूल जाते है व देह अभिमान में आ जाते हैं तभी अशांत होते हैं। सदा शांत रहने के लिए स्वयं को आत्म-अभिमानी बनना होगा।

कुसुमलता बहन, पार्षद ने सभी का आभार प्रकट किया तथा राजयोग को जीवन में अपनाने की अपील की।

एस.के.रूंगटा, प्रबंध निदेशक, वेदान्त एल्युमीनियम लि.ने कहा कि यदि अच्छा न कर सको तो कभी भी किसी का बुरा न करो। ब्रहमाकुमारीज़ के सानिध्य में मैंने काफी कुछ सीखा हैं।

सुश्री वीना स्वरूप, निदेशक, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कर्मचारियों व अधिकारियों में तनाव होने से उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है तथा तनाव मुक्त हो जाने से कार्य सुचारू रूप से चलता है तथा उत्पादन भी अच्छा होता है। अत: हमें हर हालत में अपने मन को शांत रखना है।

ब्र.कु. गिरिजा ने आये हुए सभी मेहमानों का स्वगात किया। ब्र.कु. पीयूष कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

कार्यक्रम में एन.टी.पी.सी गेल, इ.आई.एल.हडको,आई.एम.डी.वेदांत, ए.ए.आई, डी.एम.आर.सी,आई.जी.ए. एल.,सेल आयल इंडिया लि., इरेडा एम्स, आदि के प्रतिनिधियों सहित आई.ए.एस, आई.पी.एस.अधिकारी, जज, डॉक्टर, व्यापारी, इंजीनियर आदि (दो हजार से भी अधिक) ने भाग लिया।

राजयोग के निरंतर अभ्यास से ही सच्ची शांति संभव

सूरत-वराछा। मैने यह अनुभव किया है। यह विचार रविवार की शांम खांड बजार के विशाल मैंदान में ब्रह्मकुमारीज़ वराछा सेवाकेन्द्र द्वारा शिव अवतरण महोत्सव का भव्य आयोजन दौरान प्रविण भाई, अध्यक्ष ,भगवान महावीर ट्रस्ट ने व्यकत किए। उन्होंने कहा की मैने इस संस्थान् को नजदिक से देखा है।मै अपील करता हूं कि आप सभी उनका लाभ लें।

इस महोत्सव के उद्रघाटन सत्र में संचालिका-बी.के.तृप्तिबहन मंचस्थ महानुभवों के साथ आमंत्रित सभी भाई-बहनों का स्वागत करते कहा की वर्तमान विश्व क्षितीज पर आज युग परिवर्तन का बहुत ही नाजुक दौर चल रहा है। भारतभूमि पर देवाधिदेव महादेव शिवपिता परमात्मा का दिव्य अवतरण हो चुका है। ऐसे शुभ अवसर पर इस महोत्सव में आप सौभाग्यशाली आत्माओं का हार्दिक स्वागत करते हैं।

महेसाणा से विशेष पधारे हुए राजयोगिनी बी.के. सरलाबहन जी ने अपने वक्तव्य में खास कहा था कि विज्ञान ने दो देशो के बीच का अंतर को कम कर दिया लेकिन मानव मन के बीच बहुत ज्यादा अंतर कर दिया जिसका कारण है आध्यात्म ज्ञान की कमी । वर्तमान जगत को देखते हुए स्पष्ट हो रहा है की धर्म सत्ता और राज्य सत्ता का अब सूर्यास्त होने जा रहा हैं जबकि विज्ञान और आध्यात्मिकता का सूर्य उदय हो रहा है। इसे संधिकाल में परमात्मा शिव का गीतामें दिये हुए वचन अनुसार अवतरण हो चुका है। गहन अज्ञान अंधकार से भरी रात्रि के बाद ईश्वरीय ज्ञान एंवम राजयोग द्वारा आई हुई आध्यात्मिक क्रांति से स्वर्ण प्रभात होगी। प्रिय आत्मजनों हम सब साथ मिलकर आनेवाली सतयुगी सृष्टि के सुनहरे सूरज का स्वागत करे और दैवी दुनिया में आप सभी भी देवतूल्य सद् गुणों को अपनाकर प्रथम चरण के अधिकारी बनें एसी शुभ-भावना व्यक्त की थी।

सूरत-वराछा। शिव अवतरण के महोत्सव पर शिव ध्वज लहराते हुए भगवान महावीर

नडियाद क्षेत्र की संचालिका-राजयोगिनी पूर्णिमा ने अपने आर्शिवचन देते हुए ईश्वरीय संदेश सुनाया की प्राय: विश्व में अचानक कुछ भी हो सकता है भीषण समस्या के वक्त स्वयं का आत्मबल एवं निर्भयता की शक्ति ही साथ देगी और इस शक्ति को प्राप्त करने के लिय परमात्मा शिव के साथ मन-बुध्दि जोड़ने से अर्थात मेडिटेशन का लम्बे काल का अभ्यास ही काम आयेगा तो इस विधि को जानने की आवश्यकता है । अंत में उन्होंने पधारें हुए जन समुदाय को समय की इस पुकार को इशारे से समझकर आत्मशक्ति बठाने के लिये आर्शीवाद दिये।

मंचस्थ महानुभावो सूरत जिला पंचायत प्रमुख श्री -माननीय आश्विनी भाई आर.पटेल , भगवान महावीर एज्यू,